शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(अध्ययन मंडल हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचना आदेश दिनांक 24 अगस्त 2026 के अनुसार सत्र–2026–27 के लिए **स्नातकोत्तर हिंदी का एक वर्षीय** हिंदी का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

स्नातकोत्तर हिंदी का एक वर्षीय पाठ्यक्रम

(NEP 2020)

डॉ. शंकर मुनि राय
विभागाध्यक्ष–हिंदी

डॉ. सुचित्रा गुप्ता
प्राचार्य

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(अध्ययन मंडल हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचना आदेश दिनांक 24 अगस्त 2026 के अनुसार सत्र–2026–27 के लिए **स्नातकोत्तर हिंदी का एक वर्षीय** हिंदी का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

स्नातकोत्तर हिंदी का एक वर्षीय पाठ्यक्रम

(NEP 2020)

डॉ. शंकर मुनि राय
विभागाध्यक्ष–हिंदी

डॉ. सुचित्रा गुप्ता
प्राचार्य

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

कम	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	(विभागाध्यक्ष)	
2.	डॉ. मधुलता बारा	(PTRSU Raipur)	
3.	डॉ. देवमाईत मिंज	(IKSU Khairagarh)	
4.	डॉ. कल्पना मिश्रा	(GOVT.D.B. college raipur)	
5.	डॉ. गिरिजा शंकर गौतम	(PTRSU Raipur)	
6.	डॉ चंद्रशेखर शर्मा	(स्थानीय शिक्षाविद्, राजनांदगांव)	
7.	डॉ. सुनीता सोनी	(विभागीय एलुमनी, राजनांदगांव)	
8.	डॉ. बी. एन. जागृत	(विभागीय सदस्य)	
9..	डॉ. प्रवीण कुमार साहू	(विभागीय सदस्य)	
10.	डॉ. नीलम तिवारी	(विभागीय सदस्य)	
11.	डॉ. गायत्री साहू	(विभागीय सदस्य)	
12.	डॉ. वीरेन्द्र कुमार साहू	(विभागीय सदस्य)	
13.	श्री कौशिक लाल बिशी	(विभागीय सदस्य)	

ONE YEAR POST GRADUATE PROGRAM-26-27

(Under NEP 2020 Framework)

ONE Years PG Carriculum Only Course Work

Year / semester		Paper	Paper Name	Total Credit
Second Year	Semester- I	DSC-1 (4 Credit)	साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र	22
		DSC-2 (4 Credit)	भाषा विज्ञान	
		DSC-3 (4 Credit)	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता	
		DSE-5 (4 Credit)	भक्तिकालीन कवि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
		DSE-6 (4 Credit)	व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)	
		MDC-3 (4 Credit)	व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)	
		SEC-1 (2 Credit)	~~प्रिंट मीडिया लेखन~~ कार्यालयीन हिंदी	
	Semester- II	DSC-4 (4 Credit)	हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	22
		DSC-5 (4 Credit)	हिंदी भाषा	
		DSC-6 (4 Credit)	मीडिया लेखन एवं अनुवाद	
		DSE-7 (4 Credit)	हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	
		DSE-8 (4 Credit)	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	
		MDC-4 (4 Credit)	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	
		VAC-1 (2 Credit)	रचनात्मक हिंदी लेखन (साहित्यिक विधाएं)	

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-I	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र	
3	Course Type	DSC-1	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 इस प्रश्नपत्र में भारतीय और पाश्चात्य साहित्य के आंतरिक गुणों का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। 2 साहित्य के सैद्धातिक पक्ष को समझनें में विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी। 3 इसके अंतर्गत समीक्षा एवं विश्लेषण को आधार बनाकर अध्यापन की योजना तैयार की गई है, जिससे विद्यार्थियों की समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा। 4 भारतीय साहित्य और पाश्चात्य साहित्य के आंतरिक पक्ष को तुलनात्मक ढंग से समझने की दृष्टि विकसित होगी।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**भारतीय काव्यशास्त्र** :क. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, और काव्य के प्रकार। ख. रस सिद्धांत, रस निष्पत्ति, रस का स्वरूप, साधारणीकरण, रस के अंग।	15
II	**अलंकार सिद्धांत** : रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत।	15
III	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र** : प्लेटो–काव्य सिद्धांत, अरस्तू– अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लौंजायनस–उदात्त की अवधारण।	15
IV	**मैथ्यू ऑर्नाल्ड** : कला की अवधारणा, टी.एस. इलियट–कला की निर्वैक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत–गणपतिचंद्र गुप्त

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-I	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	भाषा विज्ञान	
3	Course Type	DSC-2	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 भाषा के इस प्रश्नपत्र में उसकी वैज्ञानिकता को आधार बनाकर अध्यापन की योजना अपेक्षित है। 2 हिंदी की व्याकरणिक कोटियों को वैज्ञानिक तरीके से समझनें में सहायता मिलेगी। 3 हिंदी भाषा में शब्दों की अर्थ धारण करने के जो वैज्ञानिक सूत्र हैं, उनका ज्ञान इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से बढ़ेगा। 4 भाषा के उच्चारण में वाग्यंत्रो के माध्यम से उच्चारण स्थल का ज्ञान होगा, जिसका उपयोग उद्घोषणा के क्षेत्र में बढ़ेगा।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40
Part-B: content of the course			
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)			

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**भाषा और भाषा विज्ञान** : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना। भाषा विज्ञान– स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक और तुलनात्मक।	15
II	**स्वन प्रकिया** : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग्वयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा और स्वनिम के भेद।	15
III	**व्याकरण** : रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य के भेद , वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।	15
IV	**अर्थ विज्ञान** : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थपरिवर्तन।	15

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-I	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता	
3	Course Type	DSC-3	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी के विविध्य रूपों का समझाना है, इससे विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास हो सकेगा। 2 हिंदी के विविधि क्षेत्रों में व्यापक प्रयोग बढ़ने से उसके पारिभाषिक स्वरूप को समझने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यह पाठ्यक्रम इसी बात को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। 3 हिंदी के प्रायोजनिक प्रयोग में मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में जो उपयोग बढ़ा है उसको ध्यान मे रखते हुए इस प्रश्नपत्र को उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। 4 प्रिंट मीडिया में विद्यार्थियों की रोजगारी रूचि को ध्यान में रखते हुए अखबारी भाषा को सिखाने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम उपयोगी सिद्ध होगा।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**हिन्दी के विविध रूप** : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य–प्रारूपण, पत्र लेखन,संक्षेपण, पल्लवन टिप्पणी।	15
II	**पारिभाषिक शब्दावली** : स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, भाषा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली। हिन्दी कम्प्यूटर–परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय।	15
III	**इंटरनेट** : संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मित्तव्ययिता के सूत्र। इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेट स्केप। हिन्दी साप्टवेयर पैकेज। पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।	15

IV	**समाचार लेखन** : समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्त्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
2. हिन्दी पत्रकारिता–कृष्ण बिहारी मिश्र
3. प्रशासनिक हिन्दी–पुष्पा कुमारी
4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग–विजय मल्होत्रा
5. कम्प्यूटर एप्लीकेशन–गौरव अग्रवाल

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work	Semester-I	Session 26-27

1	Course Code		
2	Course Title	भक्तिकालीन कवि व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
3	Course Type	DSE-5	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1. भक्तिकालीन कवियों के जीवन वृत्त के अध्ययन से उनकी रचना की समझ विकसित होगी। 1 सूर और तुलसी का साहित्य भारतीय ज्ञान पंरपर के आधार ग्रंथ हैं। इनके अध्ययन से भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक पहचान स्पष्ट होगी। 2 भक्ति काल के रचनाकारों में मीरा की काव्य संवेदना का विशेष महत्व आंका गया है। उनकी विरह वेदना का आध्यात्मिक महत्व को समझने मे सहायता मिलेगी।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 70+30=100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**सूरदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** भ्रमरगीत सार–संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल पद 1–10, 21–30, 51–60, कुल 30 पद।	15
II	**तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** श्रीरामचरित मानस–अयोध्याकांड गीताप्रेस गोरखपुर	15
III	**मीरा बाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** मीरा के पद – बसो मेरे नैनन मे नंदलाल, मेरे तो मिरिधर गोपाल, पायो जी मैंने रामरतन धन, हेरी मैं तो प्रेम दिवानी	15
IV	**रसखान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** रसखन के प्रमुख सवैये : मानुष हौं तो वही रसखानि, या लकुटी अरु कामरिया पर, धूरि भरे अति सोभित स्याम जू, मोर पखा सिर ऊपर राखिहौ।	15

02/09/2026

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

. भ्रमरगीत सार–संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल

1. भ्रमरगीत सार–संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. तुलसीदास और उनका युगसंदर्भ–डॉ. भगीरथ मिश्र
3. श्रीरामचरित मानस–अयोध्याकांड गीताप्रेस गोरखपुर
4. मीरा पदावली–गीता प्रेस गोरखपुर
5. रसखान रचनावली–राजेन्द्र पंडित, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

Sumelasoni 02/09/2026 2.9.26 Kaushal

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work	Semester-I	Session 26-27

1	Course Code		
2	Course Title	व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)	
3	Course Type	DSE-6	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1. एम डी सी के इस प्रश्नपत्र में हिंदी वाक्य संरचना और इसके प्रयोगगत व्यवहार का अध्ययन अपेक्षित है। 2. हिंदी भाषा के मानक स्वरूप के लिए उसकी वर्तनी की बारीकियों को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। 3. हिंदी में विराम चिह्नों की सूक्ष्म भिन्नताएं स्पष्ट नहीं होने से बहुधा वाक्यों के अर्थ बदल जाते हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विराम चिह्नों की उपयोगिता सिद्ध हो सकेगी। 4 हिंदी के प्रयोग को बहुआयामी बनाने के लिए इसमें लिंग निर्धारण को सूक्ष्मता से समझाने का प्रयास अपेक्षित है।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**हिंदी वाक्य** : वाक्य की परिभाषा, प्रकृति एवं पदक्रम विश्लेषण। **हिंदी वाक्यविग्रह** : परिभाषा एवं प्रकार, सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य। **वाक्य परिवर्तन** : अर्थ और स्वरूप, सरल से मिश्र और संयुक्त वाक्य बनाना।	15
II	**हिंदी की सामान्य अशुद्धियां** : अशुद्धियों के प्रकार, अनुस्वार और चंद्रविनदु का प्रयोग, हिंदी के द्विरुपी शब्द, द्विरुपी–दोष।	15
III	**विराम चिन्ह** : परिभाषा और स्वरूप, अल्पविराम, अर्द्धविराम और पूर्ण विराम, योजक चिन्ह, प्रश्नवाचक चिन्ह, विस्मयादि बोधक एवं उद्धरण, कोष्ठक, विवरण चिन्ह।	15
IV	**हिंदी में लिंग निर्धारण की समस्याएं एवं समाधान। पर्यायवाची शब्द** : अर्थ एवं उदाहरण।	15

Kaushu [signatures] 2.09.26 2/09/2026 Sunita Soni

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work	Semester-I	Session 26-27

1	Course Code		
2	Course Title	व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)	
3	Course Type	MDC-3	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1. एम डी सी के इस प्रश्नपत्र में हिंदी वाक्य संरचना और इसके प्रयोगगत व्यवहार का अध्ययन अपेक्षित है। 2. हिंदी भाषा के मानक स्वरूप के लिए उसकी वर्तनी की बारीकियों को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। 3. हिंदी में विराम चिह्नों की सूक्ष्म भिन्नताएं स्पष्ट नहीं होने से बहुधा वाक्यों के अर्थ बदल जाते हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विराम चिह्नों की उपयोगिता सिद्ध हो सकेगी। 4 हिंदी के प्रयोग को बहुआयामी बनाने के लिए इसमें लिंग निर्धारण को सूक्ष्मता से समझाने का प्रयास अपेक्षित है।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**हिंदी वाक्य** : वाक्य की परिभाषा, प्रकृति एवं पदक्रम विश्लेषण। **हिंदी वाक्यविग्रह** : परिभाषा एवं प्रकार, सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य। **वाक्य परिवर्तन** : अर्थ और स्वरूप, सरल से मिश्र और संयुक्त वाक्य बनाना।	15
II	**हिंदी की सामान्य अशुद्धियां** : अशुद्धियों के प्रकार, अनुस्वार और चंद्रविनदु का प्रयोग, हिंदी के द्विरुपी शब्द, द्विरुपी–दोष।	15
III	**विराम चिन्ह** : परिभाषा और स्वरूप, अल्पविराम, अर्द्धविराम और पूर्ण विराम, योजक चिन्ह, प्रश्वाचक चिन्ह, विस्मयादि बोधक एवं उद्धरण, कोष्ठक, विवरण चिन्ह।	15
IV	**हिंदी में लिंग निर्धारण की समस्याएं एवं समाधान। पर्यायवाची शब्द** : अर्थ एवं उदाहरण।	15

02/09/2026

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना–डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ. शंकर मुनि राय, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-I	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	कार्यालयीन हिंदी	
3	Course Type	SEC-1	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 विद्यार्थी कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप को समझने में सक्षम हो सकेंगे । 2 कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाले हिंदी के विविध पक्षो से परिचित हो सकेंगे। 3 जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोगो से अवगत होंगे। 4 विद्यार्थियों में कार्यालयीन एवं व्याहारिक हिंदी के प्रति अभिरूचि का विकास हो सकेगा।	
5	Credit Value	2 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 50	Minimum passing Marks : 20

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 30 periods (30 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**कार्यालयीन पत्राचार** : प्रारूपण–अर्थ, पद्धति शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, ज्ञापन, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, टिप्पण	15
II	**कार्यालयीन शब्दावली** : पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत **कार्यालयीन पारिभाषिक शब्दावली** : प्रशासनिक शब्दावली एवं पदनाम	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. कार्यालयी हिंदी और कम्प्युटर– डॉ. शशि किरण एवं करुणेश, ठाकुर पब्लिकेशन लखनऊ
2. कार्यालय कार्यबोध–हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
3. प्रायोजनिक हिंदी–बालेन्दु शेखर सहयात्री प्रकाशन, रांची
4. कार्यालयी हिंदी और हिंदी कंप्युटिंग– छबि कुमार नेहेर, नई किताब
5. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग–गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

Sunilaroni 07/09/2026 5.9.26 Kaushi

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	
3	Course Type	DSC-4	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 हिंदी साहित्य की विविध विधाओं को वैज्ञानिक तरीके समझाने के लिए इस पाठ्यक्रम का अध्ययन आवश्यक है। 2 इसके अध्ययन से हिंदी के प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य चिंतको की दृष्टि समझने मे सहायता मिलेगी। 3 साहित्य को सौंदर्य, श्रृंगार और मनोरंजन के वृत्त से मनोवैज्ञानिक ढंग से समझने की दृष्टि विकसीत होगी। 4 विद्यार्थियों को साहित्य के आलोचनात्मक अथवा समीक्षात्मक स्वरूप को समझने के लिए कुछ महत्वपूर्ण रचनाकारों की कृतियों को पाठ्य विषय बनाया गया है।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद। आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।	15
II	हिन्दी कवि–आचार्यं का काव्य शास्त्रीय चिंतन, लक्षण–काव्य परंपरा। शास्त्रीय आचार्य– रामचंद्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, केशव, देव।	15
III	आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां–शास्त्रीय आलोचना, ऐतिहासिक आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना, शैली वैज्ञानिक आलोचना।	15
IV	व्यावहारिक समीक्षाः निर्धारित काव्यांश की स्व–विवेकानुसार व्याख्या–'वह तोड़ती पत्थर'–निराला, 'भूल–गलती'–मुक्तिबोध, 'नदी के द्वीप'–अज्ञेय, 'अकाल और उसके बाद'–नागार्जुन, 'हम भारत के हैं'–त्रिलोचन, 'रामदास'–रघुवीर सहाय, 'महामहिम'–श्रीकांत वर्मा।	15

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	हिंदी भाषा	
3	Course Type	DSC-5	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 प्रस्तुत प्रश्नपत्र हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य हिंदी की विकासशील गतिविधि को विद्यार्थियों को समझाना है। 2 भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की जो उपभाषाएं हैं उन्हें वर्गीकृत कर एक दूसरे से आंतरिक संबंध स्थापित करने की प्रकृति समझ में आएगी। 3 इसके अध्ययन से भारत में हिंदी के संवैधानिक स्वरूप को समझने में सहायता मिलेगी। 4 हिंदी के तकनीकी प्रयोग को ध्यान में रखते हुए इसके व्यावहारिक प्रयोग को समझने की दृष्टि विकसीत होगी।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं–पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश, और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।	15
II	**हिन्दी का भौगोलिक विस्तार** : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।	15
III	**हिन्दी के विविध रूप** : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।	15
IV	**हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं** : आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधन, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण। देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।	15

2.9.26 02/09/2026

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास– भोलानाथ तिवारी
2. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएं और समाधान–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. नागरी लिपि और हिन्दी–अनन्त चौधरी
4. सामान्य भाषा विज्ञान–बाबूराम सक्सेना

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	मीडिया लेखन एवं अनुवाद	
3	Course Type	DSC-6	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 प्रस्तुत प्रश्नपत्र का उद्देश्य मीडिया के विविध क्षेत्रों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ाना है। 2 मीडिया के दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों में हिंदी के तकनीकी शब्दों का प्रयोग करने की बारीकियां समझ में आयेंगी। 3 मीडिया में भाषा के व्यवहारिक पक्ष को एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलने की अनुवादी कला विकसित होगी। 4 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से साहित्यिक विधाओं का सार–अनुवाद करने की कला विकसित हो सकेगी।	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**मीडिया लेखन** : जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रवण, दृष्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम,(रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन और वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।	15
II	**दृष्य–श्रव्य माध्यम** :(फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) दृष्य–माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृष्य–श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन,। पटकथा लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।	15
III	**अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार** : अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रकिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।	15

Kaushal Sunelasoni Niwas

	IV	**व्यावहारिक अनुवाद** : अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन और प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक नियुक्तियां, पदनाम, विभागीय पत्रों का अनुवाद, पदनामों–अनुभागों–दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार। कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद एवं दुभाषिया प्रविधि।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. जनसंचार एवं पत्रकारिता–प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम–डॉ. संजीव भागवंत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम–वेद प्रकाश वैदिक
4. अनुवाद के सिद्धांत–सुरेश कुमार
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग–कृष्ण कुमार रत्तू

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work	Semester-II	Session 26-27

1	Course Code		
2	Course Title	हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	
3	Course Type	DSE- 7	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1. इसके अध्ययन से हिंदी पत्रकारिता की पृष्ठभूमि समझने में सहायता मिलेगी। 2. हिंदी के विकास में पत्रकारिता का योगदान स्पष्ट होगा। 3. स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट होगा। 4. आधुनिक पत्रकारिता की विशेषताएं स्पष्ट होंगीं	
5	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 70+30=100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	प्रारंभिक चरण : भारेन्दु युग, द्विवेदी युग	15
II	स्वाधीनता आंदोलन की पत्रकारिता	15
III	स्वातंत्र्योत्तर हिदी पत्रकारिता	15
IV	इलेक्ट्रानिक मीडिया	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न–कृष्णबिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम– वेदप्रताप वैदिक, हिदी बुक सेंटर, दिल्ली
3. मीडिया की बदलती भाषा–डॉ अजय कुमार सिंह,लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रानिक मीडिया–पुष्पेन्द्र कुमार आर्य प्रभात प्रकाशन दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	
3	Course Type	DSE-8	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 एम डी सी के इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को गहराई से समझाना है। 2 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छत्तीसगढ़ प्रदेश की विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। 3 इस पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी साहित्य की प्रमुख विधाओं को शामिल करके विद्यार्थियों को राजभाषा के महत्व को समझाना इसका उद्देश्य है। 4 इस पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी के प्रमुख साहित्यकारों की कृतियों को शामिल कर पढ़ाने का उद्देश्य छत्तीसगढ़ी के सांस्कृतिक महत्व को समझाना है।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**छत्तीसगढ़ी भाषा** : भौगोलिक सीमा, नामकरण, छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय भेद, व्याकरण के अंगोपांग। छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियां और इतिहास।	15
II	**छत्तीसगढ़ी कवि एवं कविताएं** : क– सुंदरलाल शर्मा– छत्तीसगढ़ी दान–लीला के अंश ख–मुकुटधर पांडेय–मेघदूत का छत्तीसगढ़ी अनुवाद ग–हरि ठाकुर– देवारी गीत, बादर गीत, आज हवा काबर कुनकुन हे। घ–डॉ. नगेन्द्र देव वर्मा– दुनिया अठवारी बाजार हे, उसल जाही, छत्तीसगढ़ी महिमा।	15
III	छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास : नाटक– करमछड़हा–खूबचंद बघेल, उपन्यास– आवा–परदेशीराम वर्मा	15

IV	छत्तीसगढ़ के रचनाकार : लखनलाल गुप्त, लक्ष्मण मस्तूरिया, केयूर भूषण, कपिल नाथ कश्यप, लोचन प्रसाद पाण्डेय, कुंज बिहारी चौबे, पवन दीवान, कोदूराम दलित।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. जनपदीय भाषा और साहित्य– संपादक– सत्यभामा आडिल
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष
4. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली–प्यारेलाल गुप्त
5. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्यय–भालचंद्र राव तैलंग

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code		
2	Course Title	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	
3	Course Type	MDC-4	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 एम डी सी के इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को गहराई से समझाना है। 2 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छत्तीसगढ़ प्रदेश की विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। 3 इस पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी साहित्य की प्रमुख विधाओं को शामिल करके विद्यार्थियों को राजभाषा के महत्व को समझाना इसका उद्देश्य है। 4 इस पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी के प्रमुख साहित्यकारों की कृतियों को शामिल कर पढ़ाने का उद्देश्य छत्तीसगढ़ी के सांस्कृतिक महत्व को समझाना है।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**छत्तीसगढ़ी भाषा** : भौगोलिक सीमा, नामकरण, छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय भेद, व्याकरण के अंगोपांग। छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियां और इतिहास।	15
II	**छत्तीसगढ़ी कवि एवं कविताएं** : क– सुंदरलाल शर्मा– छत्तीसगढ़ी दान–लीला के अंश ख–मुकुटधर पांडेय–मेघदूत का छत्तीसगढ़ी अनुवाद ग–हरि ठाकुर– देवारी गीत, बादर गीत, आज हवा काबर कुनकुन हे। घ–डॉ. नगेन्द्र देव वर्मा– दुनिया अठवारी बाजार हे, उसल जाही, छत्तीसगढ़ी महिमा।	15
III	छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास : नाटक– करमछड़हा–खूबचंद बघेल, उपन्यास– आवा–परदेशीराम वर्मा	15

IV	छत्तीसगढ़ के रचनाकार : लखनलाल गुप्त, लक्ष्मण मस्तूरिया, केयूर भूषण, कपिल नाथ कश्यप, लोचन प्रसाद पाण्डेय, कुंज बिहारी चौबे, पवन दीवान, कोदूराम दलित।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

6. जनपदीय भाषा और साहित्य– संपादक– सत्यभामा आडिल
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌भव और विकास– डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
8. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष
9. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली–प्यारेलाल गुप्त
10. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्यय–भालचंद्र राव तैलंग

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

ONE YEAR POSTGRADUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program: ONE YEAR POST GRADUATE Only Course Work	Semester-II	Session 26-27

1	Course Code		
2	Course Title	रचनात्मक हिंदी लेखन (साहित्यिक विधाएं)	
3	Course Type	VAC	
4	Course Learning Outscom (CLO)	1 प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के सृजनात्मक विकास में सहायक सिद्ध होगा। 2 पाठाध्यन से साहित्यिक विधाओं की संरचना और बारीकियां समझ में आएंगी। 3 इसके अध्ययन से विद्यार्थियों की मौलिक प्रतिभा का विकास हो सकेगा।	
5	Credit Value	2 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
6	Total marks	Maximum Marks : 50	Minimum passing Marks : 20

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 30 periods (30 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**मौलिक कविता एवं कहानी लेखन** : कथानक चयन, चारित्रिक विश्लेषण, भाषिक संरचना, युगबोध एवं उद्देश्य आदि का अध्ययन।	15
II	**मौलिक निबंध, लघुकथा एवं एकांकी लेखन** : गद्य लेखन की बारीकियां और भाषायी ज्ञान।	15

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिंदी कहानीः रचना और समीक्षा– डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
2. रचनात्मक लेखन– प्रतिमा प्रवीन भारद्वाज, श्री नीरज प्रकाशन नई दिल्ली
3. हिंदी गद्य की नवीनतम विधाएं – डॉ. अम्बिका उपाध्याय, किशोर विद्यानिकेतन वाराणसी
4. लघु कथा आकार और प्रकार– अशोक भाटिया, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
5. रचनात्मक लेखन– डॉ. प्रेम जनमेजय वाणी प्रकाशन दिल्ली
6. लघुकथाः सिद्धांत और सृजन– डॉ. सतीश दुबे, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
7. साहित्यिक विधाएंः सिद्धांत और प्रयोग– डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

21/09/2026